

Rapid Fire करंट अफेयरस (13 July)

- **राष्ट्रमंडल देशों के वदिश मंत्रियों की 19वीं** बैठक लंदन में आयोजित की गई। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व वदिश मंत्री एस. जयशंकर ने किया। बैठक में इस समूह की भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई, जिसमें राष्ट्रमंडल के अन्य 52 सदस्य देशों के वदिश मंत्री भी शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता ब्रिटेन के वदिश मंत्री जेरेमी हंट ने की। लंदन के मार्लबोरो हाउस में आयोजित इस बैठक में भारत ने **मालदीव** को राष्ट्रमंडल में फरि से शामिल करने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिये कहा। मालदीव ने 53 सदस्यीय संगठन से अपने संबंध वर्ष 2016 में तोड़ लिये थे और पछिले वर्ष देश के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलहि के नेतृत्व में फरि से इसमें शामिल होने के लिये आवेदन किया था। वदिति हो कि राष्ट्रमंडल का मौजूदा अध्यक्ष होने के नाते इसकी अध्यक्षता की बारी इस बार ब्रिटेन की है। वदिश मंत्रियों की इस बैठक में राष्ट्रमंडल की भविष्य की रणनीति और दशा पर भी चर्चा हुई। इस साल की बैठक की मुख्य थीम **मीडिया की स्वतंत्रता** रखी गई थी। इसके अलावा इस वर्ष राष्ट्रमंडल समूह की 70वीं वर्षगाँठ भी मनाई जा रही है।
- ओडिशा सरकार ने केंद्र की **गवाह संरक्षण योजना 2018** को लागू कर दिया है और इस योजना को लागू करने वाला वह देश का पहला राज्य बन गया है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पछिले वर्ष दिसंबर में केंद्र सरकार की गवाह सुरक्षा योजना को मंजूरी दी थी और और संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक सभी राज्यों को इसका पालन करने का निर्देश दिया था। राष्ट्रीय वधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPRD) से परामर्श के बाद गवाह संरक्षण योजना के मसौदे को अंतिम रूप दिया गया और गवाहों को खतरे के आकलन के आधार पर तीन श्रेणियों में रखा गया है:

1. **श्रेणी A:** जहाँ जाँच, परीक्षण या उसके बाद गवाह या परिवार के सदस्यों के जीवन पर खतरा हो।

2. **श्रेणी B:** जहाँ जाँच या परीक्षण के दौरान गवाह या परिवार के सदस्यों की सुरक्षा, प्रतषिठा या संपत्ति पर खतरा हो।

3. **श्रेणी C:** जाँच, परीक्षण या उसके बाद गवाह या परिवार के सदस्यों, प्रतषिठा या संपत्तिके उत्पीड़न का खतरा।

- यूनेस्को के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को **भारत की शिक्षा स्थिति 2019- दवियांग बच्चे** रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में 10 अनुशंसाएँ की गई हैं, जिसमें शिक्षा का अधिकार अधिनियम को दवियांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के साथ जोड़ा जाना शामिल है। रिपोर्ट में दिये गए सुझावों पर सरकार गंभीरता से वचिार करेगी, क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वचिार-वमिर्श चल रहा है। देश में समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है और सरकार दवियांग बच्चों की शिक्षा पर वशिष ध्यान दे रही है। **यूनेस्को** ने **टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस** के साथ मलिकर यह रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें दवियांग बच्चों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति तथा इसे और बेहतर बनाकर दवियांग बच्चों की शिक्षा को आगे बढ़ाए जाने के उपाय सुझाए गए हैं।
- भारत सरकार ने देश के कई सखि संगठनों से वचिार-वमिर्श के बाद न्यूयार्क से संचालित होने वाले खालसितान समर्थक संगठन **सखि फॉर जस्टिस** को गैर-कानूनी घोषित करते हुए उसे पाँच साल के लिये प्रतबिधित कर दिया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह संगठन खालसितान के नाम पर भारत वरीधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था, जिससे खासतौर पर पंजाब के हालात बगिड़ रहे थे। अलगाववादी एजेंडे के चलते इस संगठन पर प्रतबिध लगाया गया है, क्योंकि पाकसितान की खुफिया एजेंसी ISI द्वारा इस संगठन के ज़रिये पंजाब में माहौल बगिड़ने की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। भारतीय रक्षा एजेंसियों ने इस संगठन पर 11 अलग-अलग मामले दर्ज किये हैं। यह संगठन 20-20 रफिरेडम के लिये ऑनलाइन समर्थकों को जुटा रहा था। ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी और आस्ट्रेलिया जैसे देशों के सखि बहुल इलाकों में खालसितान के समर्थन में यह संगठन काफी सक्रिय है।
- लघु वीडियो साझा करने वाले प्रसदिध प्लेटफॉर्म **‘टकिटॉक’** ने **वशिष युवा कौशल दविस 2019** के मौके पर राष्ट्रीय कौशल विकास नगिम के साथ साझेदारी की है। इसके लिये टकिटॉक ने अपने एप पर skills4all अभियान शुरू किया है। **राष्ट्रीय कौशल विकास नगिम** ने इस प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के लिये भारत में टकिटॉक के लगभग 20 करोड़ यूज़र्स को शक्ति करने के लिये एक आधिकारिक स्कलि इंडिया ऑफिशियल टकिटॉक अकाउंट बनाया है। इसका उद्देश्य भारत में पहली बार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को शक्ति करना तथा उन्हें सरकार के कौशल कार्यक्रमों और देश में प्रोफेशनल ट्रेनिंग के अवसरों के बारे में जानकारी देना है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2015 से 15 जुलाई का दिन दुनियाभर में **वशिष युवा कौशल दविस** के तौर पर मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम **Learning to Learn for Life & Work** रखी गई है।
- भारत की फरराटा धाविका **दुती चंद** इटली के नेपोली में 30वें **वशिष यूनिवर्सिटी खेलों** (Summer Universiade) में **100 मीटर की दौड़** में **स्वर्ण पदक** जीतने वाली **पहली भारतीय महिला ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी** बन गई हैं। दुती चंद ने 11.32 सेकंड का समय निकालकर यह रेस जीती, जबकि स्विट्ज़रलैंड की डेल पॉटे 11.33 सेकंड का समय निकालकर दूसरे स्थान पर रही और जर्मनी की लीज़ा कवायी ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस प्रकार ओडिशा की दुती चंद वशिष यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बन गई। उनसे पहले इंदरजीत सहि ने 2015 में पुरुषों के शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता था। वदिति हो कि दुती चंद ने वर्ष 2018 में हुए एशियाई खेलों में 100 और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था।

